वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही में आवास की कीमतों में सकारात्मक वृद्धि: रा.आ.बैंक

- ***प्रमुख महानगरों (यथा अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे) में संपत्ति की कीमतों में वृद्धि दर्ज की गई।***
- ***वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही के दौरान 46 शहरों ने सूचकांकों में वृद्धि दर्ज की।***
- ***मूल्यांकन के आधार पर 50 शहरों ने समग्र एचपीआई में वर्ष-दर-वर्ष आधार पर 5.0% की वृद्धि दर्ज की।***

राष्ट्रीय आवास बैंक द्वारा जारी नवीनतम आवास मूल्य सूचकांक (एनएचबी रेसिडेक्स) वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही के दौरान 46 शहरों में संपत्ति की कीमतों में वृद्धि की दर्शाता है।

बैंकों एवं आवास वित्त कंपनियों (एचपीआई@आकलन मूल्य) से एकत्रित संपत्तियों के आकलन मूल्यों के आधार पर 50 शहरों के एचपीआई ने वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही के दौरान 5.0% की वार्षिक वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष) दर्ज की, जबकि एक वर्ष पूर्व यह 7.2% थी।

भारत के सात प्रमुख प्राथमिक आवासीय बाजारों में अक्टूबर-दिसंबर 2025 की अवधि के दौरान संपत्ति की कीमतों की वृद्धि दर्ज की गई। अहमदाबाद (6.8%), बेंगलुरु (12.7%), चेन्नई (8.2%), हैदराबाद (3.2%), कोलकाता (6.7%), मुंबई (3.7%) और पुणे (3.5%) ने राष्ट्रीय आवास बैंक द्वारा प्रकाशित आवास मूल्य सूचकांक के अनुसार वार्षिक आधार पर वित्त वर्ष 26 की तीसरी तिमाही में वृद्धि दर्ज की ।

एचपीआई@आकलन मूल्य में वार्षिक परिवर्तन वाले शहरों में 22.8% (गुरुग्राम) की वृद्धि से लेकर 8.9% (रायपुर) की गिरावट, में व्यापक रूप से भिन्न है।

कवर किए गए 50 शहरों में से, 4 शहरों ने वार्षिक आधार पर संपत्ति की कीमतों में गिरावट दर्ज की। रायपुर में अधिकतम 8.9% की गिरावट दर्ज की गई।

क्रमिक (तिमाही-दर-तिमाही) आधार पर, 50-शहरों के सूचकांक ने अक्टूबर-दिसंबर 2025 में 1.8% का विस्तार दर्ज किया। सूचकांक सितंबर-21 से तिमाही-दर-तिमाही आधार पर एक बढ़ती प्रवृत्ति प्रदर्शित कर रहा है।

वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही के दौरान, गुरुग्राम (4.5%) और ग्रेटर नोएडा (4.4%) के लिए एचपीआई @ आकलन मूल्य में महत्वपूर्ण क्रमिक वृद्धि देखी गई है।

© National Housing Bank